कहना तुझ संग मैं भी नाचूं

यमुना तट पर वृन्दावन में,
कहना तुझ संग मैं भी नाचूं।

ग्वाल बाल संग मैं भी मिल कर, तेरी चर्चा छेडू।
गोपन के संग मिल कर मैं भी चन्दन लेप लगाऊं ॥

कस्तूरी की तिलक लगा कर हर पल तुझे निहारूं।
तेरी जूठी माखन खा कर, कहना रोम रोम खिल जाऊं ॥

मधुबन में बंसी की धुन से पुलकित मैं हो जाऊं।
तुझ से प्रेम रचा कर कृष्णा, मोह जाल को तोडू ॥

तेरी आलिंगन से कहना भवसागर को तारुं।
सचिदानंद तेरी गीतामृत में डूब के मैं खो जाऊं ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/247/title/yamuna-tat-par-vrindavan-me-kahna-main-bhi-tujh-sang-naachun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |